ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-३६
दिनांक- मंगलवार,७ मई,२०१६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३६.६ एवं २३.८ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ७० सुबह में एवं दोपहर में ४६ प्रतिशत, हवा की औसत गति ६.८ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ७.३ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ८.६ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में ३१.५ एवं दोपहर में ४१.४ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में १.१ मि०मी० वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(८-१२ मई,२०१६)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी ८-१२ मई, २०१६ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम के शुष्क रहने की संभावना है।
- अधिकतम तापमान ३६ से ४१ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान २३ से २५ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- इस अवधि में औसतन १०-१५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा रहने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ६५ से ७५ प्रतिशत तथा दोपहर में ४० से ५० प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार में शुष्क एवं गर्म मौसम की संभावना को देखते हुए कृषक भाई गेहूँ, अरहर एवं रबी मक्का की कटनी, दौनी एवं दानो को सुखाने के कार्य को उच्च प्राथमिकता दे कर सम्पन्न करें। दानो को अच्छी प्रकार सुखाकर भंडारित करें। भंडारण के लिए जुट के बोरे की व्यवस्था कर लें एवं बोरे को पलटकर अच्छी प्रकार धुप में सुखाकर कीट रहित कर लें।
- इस अवधि में शुष्क मौसम एवं मुख्यतः पछिया हवा रहने के कारण खड़ी फसलों जैसे पिछात रबी मक्का, बसन्तकालीन मक्का, ईख, सूर्यमुखी, प्याज एवं गरमा सब्जियों जैसे भिन्डी, नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा तथा चारा की फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई शाम के समय में करें। यह ध्यान रखें की सिंचाई करते समय हवा की गति कम हों।
- रबी फसल की कटाई के बाद खाली खेतों की गहरी जुताई कर खेत को खुला छोड़ दें ताकि सुर्य की तेज धुप मिट्टी में छिपे कीट के अण्डे, प्युपा, रोग के जीवाणु एवं खरपतवार के बीजों को नष्ट कर दें।
- हल्दी एवं अदरक की बुआई के लिए खेत की तैयारी करें। खेत की जुताई में प्रति हेक्टेयर २५ से ३० टन गोबर की सड़ी खाद डाले। किसान भाई हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्मों तथा अदरक की मरान एवं नदिया किस्मों के बीज की व्यवस्था करें। १५ मई से हल्दी एवं अदरक की बुआई कर सकते हैं। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें।
- ओल की रोपाई करें। रोपाई के लिए *गजेन्द्र* किस्म अनुशंसित है। प्रत्येक ०.५ किलोग्राम के कन्द की रोपनी के लिए दूरी 75x75 से० मी० रखें। ०.५ किलोग्राम से कम वजन की कंद की रोपाई नहीं करे। वीज दर ८० क्विंटल प्रति हेक्टेयर की दर से रखें। ओल की कटे कन्द को ट्राइकोर्डमा भिरीडी दवा के ५.० ग्राम प्रति लीटर गोबर के घोल में मिलाकर २०-२५ मिनट तक डुबोकर रखने के बाद कन्द को निकालकर छाया में १०-१५ मिनट तक सुखने दें उसके बाद उपचारित कन्द को लगायें।
- खरीफ धान की नर्सरी के लिए खेत की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए नर्सरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे।
- मूंग एवं उरद् में कीट एवं रोग-व्याधि की नियमित रुप से निगरानी करें। इन फसलों में सफेद मक्खी (एक रस चुसक कीट) के द्वारा प्रसारित होने वाला एक विनाशकारी रोग पीला मोजैक विषाणु रोग है। इसके शुरूवाती लक्षण पत्तियों पर पीले धब्बे के रूप दिखाई देता है, बाद में पत्तियॉ तथा फलियॉ पूर्ण रूप से पीली हो जाती है। इन पत्तियों पर उत्तक क्षय भी देखा जाता है। फलन काफी प्रभावित होता है। उपचार हेतु रोग ग्रसित पौधों को शुरू में ही उखाड़ कर नष्ट कर दें तथा इमिडाक्लोरोप्रिड १७.८ एस० एल०/०.३ मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें।
- लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा फसलों में फल मक्खी कीट की निगरानी करें। इन फसलों को क्षति पहुचाने वाला यह प्रमुख कीट है। यह घरेलू मक्खी की तरह दिखाई देने वाली भूरे रंग की होती है। मादा कीट मुलायम फलों की त्वचा के अन्दर अंडे देती है। अंडे से पिल्लू निकलकर अन्दर ही अन्दर फलों के भीतरी भाग को खाता है। जिसके कारण पूरा फल सड़ कर नष्ट हो जाता है। इस कीट का प्रकोप शुरू होते ही १ किलोग्रम छोआ, २ लीटर मैलाथियान ५० ई०सी० को १००० लीटर पानी मे घोल कर प्रति हेक्टेयर की दर से १५ दिनों के अन्तराल पर दो बार छिड़काव करें।
- आम एवं लीची के बगीचों में नमी बनाये रखें। इसके लिए सिंचाई की व्यवस्था करें। फलदार वृक्षों के नये बाग लगाने के लिए अनुशंसित दूरी पर १ मी० व्यास के १ मीटर गहरे गडढ़े बना कर छोड़ दें।

आज का अधिकतम तापमानः ४१.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ४.८ डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः २२.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ०.५ डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी